Ce – राजा मसीहा का कार्यक्रम मत्ती ४ का १७ | 1

– Save This Page as a PDF–

राजा मसीहा का कार्यक्रम

मत्ती ४:१७

पवित्र व्यक्ति, धन्य है वह, बैठेगा और नई टोरा की व्याख्या करेगा जो वह मसीहा के माध्यम से देगा। “न्यू टोरा” का अर्थ है टोरा के रहस्य और रहस्य जो अब तक छिपे हुए हैं” (मिड्रैश टैलपियट 58ए).

अपने बपतिस्मा और उसके बाद जंगल में चालीस दिनों के परीक्षण के बाद, येशुआ ने अपनी आवश्यक तैयारी पूरी कर ली थी और फिर इज़राइल के लिए अपना वास्तविक मसीहा कार्यक्रम शुरू किया था। उस समय से, यीशु ने घोषणा करना शुरू कर दिया: अपने पापों से परमेश्वर की ओर मुड़ो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है (मत्ती ४:१७)। पारंपरिक यहूदी धर्म में पाप से मुंह मोड़ना प्रमुख तत्व है। पश्चाताप (तुशुवाह) केवल हृदय परिवर्तन से कहीं अधिक शामिल है, बल्कि वास्तव में एक अलग दिशा में मुड़ना और जाना भी शामिल है। यिर्मयाह की पुस्तक के लिए मुड़ना (शुव) मुख्य शब्द है, क्योंकि रोते हुए भविष्यवक्ता ने विद्रोही इजराइल को उसके विनाशकारी मार्ग से पश्चाताप करने के लिए मनाने की व्यर्थ कोशिश की। मसीहाई कार्यक्रम में, आह्वान उस चीज़ से मुड़ने का है जो उस आध्यात्मिक चिह्न से चूक जाता है जिसे एडोनाई ने हमारे सामने रखा है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इज़राइल को एक अलग धर्म या एक अलग परमेश्वर में परिवर्तित होने के लिए नहीं बुलाया गया था; बल्कि, घूमना और इब्राहीम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर के पास वापस आना।

मत्तित्याहू ने ईश्वर के राज्य के बजाय
स्वर्ग के राज्य वाक्यांश का उपयोग किया है क्योंकि वह यहूदी दर्शकों से बात कर रहे थे। उस समय के यहूदी, साथ ही आज के कई लोग, ईश्वर शब्द का प्रयोग करने से बचते थे। कुछ लोग परमेश्वर के नाम के स्थान पर अडोनाई, प्रभु, या हाशेम नाम का प्रयोग करते हैं, जिसका अर्थ है नाम। यदि वे अंग्रेजी में लिख रहे हैं, तो वे उसके नाम के प्रति श्रद्धा के कारण इसे जी–डी के रूप में लिखेंगे। मत्ती के इच्छित श्रोता

Ce – राजा मसीहा का कार्यक्रम मत्ती ४ का १७ | 2

उसके द्वारा स्वर्ग शब्द के स्थान पर जी-डी शब्द के प्रतिस्थापन को समझेंगे। रिणामस्वरूप, परमेश्वर का राज्य और स्वर्ग का राज्य प्रभावी रूप से एक ही मतलब रखते हैं। स्वर्ग के राज्य की स्थापना इसराइल को टोरा (निर्गमन १९:६), भविष्यवक्ताओं (यशायाह ११:१-९) और लेखों (प्रथम इतिहास २९:११) में दी गई मूलभूत आशा रही है। इसलिए, यहूदियों के लिए यह निष्कर्ष निकालना ही उचित है कि मसीहा पृथ्वी पर अपने राज्य का राजा होगा (यशायाह ९:६)। चूँकि येशुआ वादा किया हुआ राजा मसीहा था, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं थी कि उसने अपना सार्वजनिक सेबकाई इस घोषणा के साथ शुरू किया कि उसका राज्य निकट है।